कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSKE–009

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एस.के.ई.–009 : वेद : वैदिक संहिताएँ और वैदिक व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य है। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों का माध्यम किसी एक भाषा हिन्दी* ***या*** *संस्कृत* ***या*** *अंग्रेजी में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित है।*

3×20=60

P. T. O.

1. वेदों के दार्शनिक चिन्तन एवं विज्ञान पर विस्तृत रूप से लिखिए।

2. वैदिक स्वरों (उदात्त, अनुदात्त, स्वरित एवं एकश्रुति) का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. 'वेद' शब्द का अर्थ बताते हुए वेदों की शाखाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. वेदों में वर्णित काव्यात्मक सौन्दर्य एवं ललित कलाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. वैदिककालीन सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक जीवन का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

6. वैदिक व्याख्याकारों का विस्तृत रूप से परिचय दीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित है।*

$4 \times 10 = 40$

7. निरुक्त पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

8. उपसर्गों के वाचकत्व सिद्धान्तों का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

9. वाक् सूक्त की विषय-वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

10. अथर्ववेद के भूमि सूक्त का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

11. ऋक् प्रातिशाख्य की परिभाषाओं का वर्णन कीजिए।

12. मन्त्रपाठ का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

13. वैदिक शब्द रूप का वर्णन करते हुए उसके नियमों पर प्रकाश डालिए।

14. सृष्टि की उत्पत्ति एवं उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।